प्रो. (डॉ.) सतीश चन्द्र
निदेशक
Prof. (Dr.) Satish Chandra
Director

सीएसआईआर–केंद्रीय सड़क अनुसंधान संस्थान
(वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद)
पी.ओ. सीआरआरआई, मथुरा रोड, नई दिल्ली 110025 (भारत)

CSIR-Central Road Research Institute
(Council of Scientific & Industrial Research)
PO. CRRI. Delhi-Mathura Road, New Delhi-110025 (India)

सं. सीआरआरआई/टीपीडी/रा.हिंदी.का.2019
16 मई, 2019

सेवा में

विषय: सीएसआईआर-सीआरआरआई द्वारा सितंबर 2019 में **"आधारभूत ढांचा के विकास में विज्ञान और प्रौद्योगिकी का योगदान : 21वीं सदी की चुनौतियां"** पर हिंदी में राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन।

महोदय,

सीएसआईआर-केन्द्रीय सड़क अनुसंधान संस्थान (सीआरआरआई),1952 में स्थापित एक प्रमुख राष्ट्रीय प्रयोगशाला है जो वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) का एक घटक है । यह संस्थान कुट्टिम सड़क एवं यातायात अभियांत्रिकी से संबंधित विभिन्न ज्ञान क्षेत्रों में अनुसंधान एवं विकास तथा परामर्श परियोजनाओं में समर्थ है ।

मुझे आपको यह सूचित करते हुए हर्ष हो रहा है कि यह संस्थान **6 सितंबर, 2019** को **"आधारभूत ढांचा के विकास में विज्ञान और प्रौद्योगिकी का योगदान : 21वीं सदी की चुनौतियां"** विषय पर हिंदी माध्यम में एक **राष्ट्रीय कार्यशाला** आयोजित कर रहा है । हिंदी में वैज्ञानिक चिंतन को बढ़ावा देने के लिए इस कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है । कार्यशाला का उद्देश्य शोधकर्ताओं, वैज्ञानिकों, शिक्षाविदों, उद्योगकर्मियों एवं इस क्षेत्र के पेशेवरों को एक मंच पर लाना है, ताकि 21वीं शताब्दी में हमारे सामने आने वाली चुनौतियों पर चर्चा करके स्मार्ट, सतत एवं हरित श्रेष्ठ संरचनाओं के लिए अभियांत्रिकी एवं वैज्ञानिक क्षमताओं को बेहतर बनाया जा सके। कार्यशाला के लिए संचार एवं प्रस्तुतीकरण का माध्यम हिंदी होगी।

राष्ट्रीय हिंदी कार्यशाला के संदर्भ में स्मारिका का प्रकाशन किया जाना प्रस्तावित है जिसमें विभिन्न संगठनों एवं उद्योगों से प्राप्त विज्ञापन सम्मिलित किए जाएंगे। आपसे अनुरोध करता हूं कि कृपया आप अपने संगठन/प्रयोगशाला/संस्थान में इस **हिंदी कार्यशाला** का व्यापक प्रचार-प्रसार करें तथा संगठन/प्रयोगशाला/संस्थान के अधिकारियों को लेख भेजने के लिए प्रोत्साहित करें । कार्यशाला के आयोजन में अपना सहयोग देने संबंधी अधिक जानकारी एवं लेख भेजने के लिए निर्धारित टेमप्लेट www.crridom.gov.in से डाउनलोड किया जा सकता है । चयनित लेखों को कार्यशाला के पश्चात पुस्तक के रूप में प्रकाशित किया जाएगा । सहसंयोजक एवं विज्ञापन के लिए वित्तीय राशि का सहयोग देकर इस कार्यशाला को सफल बनाएं। सहसंयोजक एवं विज्ञापन करने की दर का पत्रक संलग्न है।

मैं आपके अधिक से अधिक सहयोग की उम्मीद करता हूँ ।

भवदीय,

सतीश चन्द्र 16/5/19
(सतीश चंद्र)

संलग्नक : राष्ट्रीय हिंदी कार्यशाला का पत्रक